

**POST GRADUATE CERTIFICATE IN  
BANGLA-HINDI TRANSLATION  
PROGRAMME (PGCBHT)**

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

00285

**एम.टी.टी.-002 : बांग्ला-हिन्दी अनुवाद : तुलना और  
पुनःसृजन**

**समय : 3 घण्टे**

**अधिकतम अंक : 100**

**नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में लिखिए :  $2 \times 10 = 20$ 
  - (a) बांग्ला और हिन्दी की साहित्यिक-सांस्कृतिक समानताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।
  - (b) बांग्ला तथा हिन्दी में उपर्याग एवं प्रत्यय की प्रयोगगत समानताओं और अंतर पर विचार कीजिए।
  - (c) हिन्दी एवं बांग्ला साहित्य में मुहावरों की परम्परा पर प्रकाश डालिए।
  
2. निम्नलिखित बांग्ला पदों/शब्दों का हिन्दी पर्याय लिखिए : 5
  - নববই, আপনি, দোল, পাকা দেখা, যেখানে, মামাতো,
  - পাওয়া, ঠিকানা, চোখ, গুজব
  
3. निम्नलिखित हिन्दी पदों/शब्दों के बांग्ला पर्याय लिखिए : 5
  - গুড়িয়া, পঞ্জী, দীৱার, লড়কা, আদমী, অচ্ছা, মেঁ, গঁওয়ার, কুছ,
  - লগভগ

- 4. निम्नलिखित कहावतों-मुहावरों में से किन्हीं पाँच का हिन्दी अनुवाद करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **5x3=15**
- (a) कोन मुखे
  - (b) गला फाटिये
  - (c) घरेर शक्र बिभीषण
  - (d) चोखे धूलो देओया.
  - (e) येमन कर्म तेमन फल
  - (f) चोरेर मन बोँचकार दिके
  - (g) बिपदकाले बुद्धिनाश
  - (h) हातिर मुखे दूर्वा घास
  - (i) बाड़ी माथाय करा
  - (j) मेघ ना चाइत्तेह जल
- 5. निम्नलिखित अंशों में से किन्हीं तीन का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** **3x15=45**
- (a) ट्राम थेके नामते गिये माथार मध्ये घुरे उठेछे अनेकदिनइ, किष्ट आज ये शेष पर्यन्त अतजोड़ा चोखेरे सामने पड़े गियेइ लज्जा पेते हबे, ए कथा मने हयनि। शहरतलिर ट्राम-धूलोय अक्कार करे चले भाङ्गाचोरा रास्ता दिये, राशि राशि धूलो नाके-मुखे ढोके, चुलग्गलोय धूलोर गुँड़ो लेगे थाके, रास्तार दु'पाशे काँचा ड्रेन, नोंरा आर भ्यापसा गङ्के समस्तक्षण नाक झाला करे-यतक्षण ना स्टेशनेर धारे एसे थेमे याय ट्रामटा।  
एकथाना ट्राम-लोक बेशी छिल ना, यारा छिल सिट छेड़े उठे एल। हात धरे तुलल माघबयेसी एक हिन्दुहानी मेये-बाजार थेके शाकसबजि बेचे फिरछिल।

গায়ে হাত বুলিয়ে বলল, কেয়া হয়া-বুখার?  
যায়েগা কিধার?

দু একজন রিকশা ডেকে দেবার প্রস্তাৱ কৱল।  
বুখার! একটু ম্লান হেসে উপেক্ষার ভঙ্গিতে সীমা ট্ৰাম  
ছাড়িয়ে এগিয়ে চলল-কয়েক জোড়া সহানুভূতিভৱা  
অনুসরণকাৰী চোখেৰ সামনে থেকে সৱে না যাওয়া  
পৰ্যন্ত এ লজ্জা যাবে না, তবু ভাগিয় দু-একজন  
ফাজিল ছেলে নেই ওৱ মধ্যে।

- (b) একটি চোদ্দো বছৰ বয়েসেৰ কিশোৱ গিয়েছিল তাৱ  
এক মামাৰ বিয়েতে বৱযাত্ৰী হয়ে। পূৰ্ব বাংলা তখন  
সদ্য নাম বদল কৱে হয়েছে পূৰ্ব পাকিস্তান, তাৱ  
ফরিদপুৱ জেলায়, মামাৰাড়িৰ গ্ৰামেৰ নাম আমগ্রাম  
বা আমগাঁ। মামাৰ নাম গোবিন্দ গাঞ্জুলী, এক ছোট  
খাটো জমিদাৰ বংশেৰ শেষ প্ৰতিভূ। জমিদাৰেৰ  
ছেলেদেৱ ফৱসা ও সুপুৰুষ হওয়াৰ কথা, নাকেৱ  
তলায় যত্তে লালিত গোঁফ, গল্ল-উপন্যাসে বা যাত্রা-  
সিনেমায় এৱকমই থাকে, কিষ্ট গোবিন্দ গাঞ্জুলী এক  
বলিষ্ঠকায় ঘোৱ শ্যামবৰ্ণ পুৰুষ, গোঁফ নেই, শুধু  
তাঁৰ তেজটাই জমিদাৰ সুলভ। কিছুটা গোঁয়াৱ  
ধৰণেৰ এবং দুঃসাহসী, এই গোবিন্দ গাঞ্জুলী একবাৱ  
বশী দিয়ে একটা হিংস্ত পাগলা কুকুৱ মেৱেছিলেন,  
শিয়ালও মেৱেছেন কয়েকবাৱ, একবাৱ নাকি  
সুন্দৱন থেকে একটা রঘাল বেঙ্গল টাইগাৱ ছিটকে  
এদিকে এসে পড়ায় গোবিন্দ গাঞ্জুলী অস্ত হাতে নিয়ে  
বাঘ-শিকাৱে গিয়েছিলেন তবে শেষ পৰ্যন্ত বাঘে  
মানুষে মুখোমুখি হয়নি।

- (c) শুয়োরের মনে খুব দুঃখ। গুরু-ছাগল-ডেড়া সবার শিং আছে শুধু তার কোনও শিং নেই। তাই সে একদিন শিবঠাকুরের কাছে গিয়ে বলল, ‘ঠাকুর তুমি সবাইকে শিং দিয়েছ, আমাকে কেন দাওনি?’

শিবঠাকুর বললেন, ‘শিং নিয়ে তুই কি করবি?’ শুয়োর বলল, ‘শিং দিয়ে আমি মাটি খুঁড়তে পারব। কেউ তাড়া করলে ভয় দেখাতে পারব।’ শিবঠাকুর বললেন, ‘ঠিক আছে, তবে কাল দুপুরবেলা আসিস, আমি তোকে শিং দেব।’ শুয়োর পরদিন সকাল হতেই বেরিয়ে পড়ল। অনেকটা পথ। পথের মাঝে দেখা হয়ে গেল এক ছাগলের সঙ্গে। ছাগল গাছের কচি পাতা খাচ্ছিল। শুয়োরকে দেখে বলল, ‘কোথায় চললে শুয়োর দাদা?’

শুয়োর খুশিতে ডগমগ, ‘একগাল হেসে বলল, শিবঠাকুরের কাছে। ঠাকুর বলেছেন আজ আমাকে শিং দেবেন।’

ছাগল বলল, ‘চল, আমিও তোমার সঙ্গে যাব।’

- (d) “একদিন বাবা মহাশয় বলিলেন যে আজ আমাদের ফাল্কনি পূর্ণিমায় বসন্ত উৎসব, আজ সক্ষ্যায় বাগানে উৎসব-গান-বাজনা হবে। তখন তাঁর আদেশমত বাগান সাজানো হয়ে গেল। বাড়ির ছেলেরা ঘিয়ে আর মেয়েরা বাসন্তী রং-এর কাপড় পড়ে খেলা করবে। তাঁর আদেশমত আমরা সব তখনি কাপড় পরে বাগানে গেলাম। বাড়ির বাগান খুব সাজানো হয়েছিল। নানাবিধি বিলাতী ফুল টিবে ফুটে উঠেছে। তাছাড়া দেশী ফুল, গুৱাইজ, গোলাপ, রজনীগন্ধা,

বিশ্বর ফুল ফুটে উঠেছে। গাছে-গাছে চায়নিজ ল্যাম্প লাগিয়ে আলো সাজানো হয়েছে। সব গাছের তলায় গান-বাজনা হচ্ছে। বড়-বড় গায়কগণ রাগ-রাগিণীর আলাপ করছেন। কোথাও জলতরঙ্গে বাজনা বাজিতেছে। চাঁদ আকাশে উদয় হলেন। চাঁদ তার নির্মল জোঞ্চা ছড়িয়ে দিয়ে গাছের ফাঁকে হেসে দেখা দিলেন। এই সময় আমাদের মাননীয় জ্যোতি কাকা মহাশয় হারমোনিয়াম বাজাতে লাগলেন। মাননীয় রবি কাকা মহাশয় (রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর) গান গাইতে লাগলেন। ক্রমে-ক্রমে রাত হল। উৎসব শেষ হয়ে গেল। পরদিন ভোরের সময় আমরা সব ভাই বোন চায়নিজ ল্যাম্প কুড়ুতে বাগানে ছুট দিলাম।”

- (e) আমি বিকেলবেলা পাটি পেতে সেলাই করতে বসলে আমার বালক ছেলে চুড়ামণি ছুঁচে সুতো পরিয়ে দেয়, বলে কালো আকাশে তোতা পাখির মতো একবাঁক তারা আঁকো।

সারা সক্ষে ওরা আমাকে গল্প বলবে।

আর রাবেয়া মাসির কবরে

ধপধপে সাদা লাউফুল আর ওই আধখানা

চাঁদ নকশা করো,

ওখানে বড় অঙ্ককার।

ও মা শোনো, আমার বন্ধু মিলুর গায়ে একটু সমুদ্রপারের হাওয়া ঢেউ খেলিয়ে দাও না-তোমার তো কত রঙের কত রকমের সুতো। যত রাত বাড়ে চুড়োর আবদারও তত বাড়ে, বলে তুমি ইচ্ছে করলেই সব পারো।

6. निम्नलिखित में से किसी एक का बांग्ला में अनुवाद कीजिए :
- (a) सालाना इम्तिहान हुआ। भाई साहब फेल हो गए, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूँ-'आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई? मुझे देखिए, मजे से खेलता भी रहा और दरजे में अब्बल भी हूँ।' लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिड़कने का विचार ही लज्जास्पद जान पड़ा। हाँ, अब मुझे अपने ऊपर कुछ अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। भाई साहब का वह रौब मुझ पर न रहा। आजादी से खेलकूद में शरीक होने लगा। दिल मजबूत था। अगर उन्होंने फिर मेरी फजीहत की तो साफ कह दूँगा-'आपने अपना खून जलाकर कौन-सा तीर मार लिया।'
- (b) आपका स्वागत है 1x10=10  
क्योंकि आप नए हैं  
आपका स्वागत है  
क्योंकि आप बहा सकते हैं  
कभी पसीना कभी खून  
आपका स्वागत है -  
क्योंकि अभी आपने  
अपना जीवन नहीं जिया  
आपका स्वागत है  
क्योंकि आप घर की याद से  
हो उठते हैं बेचैन  
आपका स्वागत हैं  
क्योंकि आप चाहते हैं  
अपने परिवार को यहाँ बुलाना